तमन्ना | by Shikha Bhargav

खुशियों से झोली भरी ज़िंदगी ये संवर सी गई
और कुछ ना तमन्ना मेरी मुझे श्याम चौखट तेरी मिल गई

दुनिया थी रूठी हर आस टूटी कोई ना अपना रहा
कमज़ोर था दिल हर पग पे मुश्किल कोई ना सपना रहा
बिन पानी मछली सी हालत मेरी हो गई
और कुछ ना तमन्ना मेरी मुझे श्याम चौखट तेरी मिल गई

रो रो के सबने हर बात पूछी पीछे से हँसते रहे
घनघोर ग़म के छाये थे बादल मुझपे बरसते रहे
तक़दीर की जैसे चाबी मेरी खो गई
और कुछ ना तमन्ना मेरी मुझे श्याम चौखट तेरी मिल गई

रेहमत शिखा पे रखना सदा तुम इतनी सी अरदास है
बनकर के साया संग तुम चलोगे दिल में ये विश्वास है
सोनी की ये ज़िन्दगी अब तेरी हो गई
और कुछ ना तमन्ना मेरी मुझे श्याम चौखट तेरी मिल गई

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a4%ae%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-hikha-bhargav/